भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर (2024-25)

कक्षा-VIII(2nd Lang.)	**विभाग: हिंदी**	**Date – 21.04.24**
Worksheet 2	विषय: (अर्थग्रहण)	**Note: Pl. file in portfolio**

नाम :____________________अनुभाग :______अनुक्रमांक :______दिनांक :__________

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

समय निरन्तर गतिमान है, इसे रोकना असंभव है। राजा हो या रंक, संत हो या सामान्य प्राणी, अमीर हो या गरीब सभी को समय अपने आगोश में समेट लेता है। समय की कीमत न पहचानने वाले समय बीत जाने पर सिर धुनते रह जाते हैं। इसलिए हमें समय का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही समयानुसार काम भी करना चाहिए। जीवन की यह कुंजी है। यूनान के दार्शनिक अरस्तू ने कहा है: -प्रत्येक व्यक्ति को उचित समय पर, उचित व्यक्ति से, उचित मात्रा में, उचित उद्देश्य के लिए, उचित ढंग से व्यवहार करना चाहिए। वास्तव में एक-एक क्षण से प्रत्येक प्राणी का संबंध रहता है, परंतु प्रत्येक व्यक्ति उसका महत्त्व समझता नहीं है। अधिकतर व्यक्ति सोचते हैं कि कोई अच्छा समय आएगा तो काम करेंगे। इस दुविधा व उधेड़ बुन में वे जीवन के अनेक अमूल्य क्षणों को खो देते हैं। वे दिनों, महीनों, वर्षों को किसी शुभ क्षण की प्रतीक्षा में बिता देते हैं किंतु ऐसा क्षण किसी के जीवन में कभी नहीं आया। कभी किसी व्यक्ति को बिना हाथ-पाँव हिलाए संसार की बहुत बड़ी संपत्ति छप्पर फाड़कर नहीं मिलती। समय उन्हीं के रथ के घोड़ों को हाँकता है जो भाग्य के भरोसे बैठना पुरुषार्थ का अपमान समझते हैं। वास्तव में मनुष्य जिस समय को चाहे शुभ क्षण बना सकता है। आवश्यकता श्रम और समय की परख की है। जो व्यक्ति श्रम और समय का पारखी होता है लक्ष्मी भी उसी का वरण करती है। जीवन में असफलता का कारण दुर्भाग्य नहीं होता अपितु समय को गलत समझने की भूल होती है।

प्रश्न 1 हमें समय का मूल्य क्यों समझना चाहिए?

उत्तर ---

प्रश्न 2 लक्ष्मी किस व्यक्ति का वरण करती है?

उत्तर ---

प्रश्न 3 जीवन में असफल होने का कारण क्या होता है?

उत्तर ---

प्रश्न 4 यूनान के दार्शनिक अरस्तू ने क्या कहा है?

उत्तर ---

प्रश्न 5 गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए

उत्तर ---

==